राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 220
नागराज और
जादूगर शाकूरा
मुफ्त
नागराज का एक पोस्टर

नागराज और जादूगर शाकूरा

सम्पादन : मनीषचन्द्र गुप्त
कथानक : राजा
कलानिर्देशन : प्रताप मुळीक
चित्रकार : चंदु
सुलेख : पालवणकर

आज इस ग्रह में एक खुली अदालत लगी हुई है—
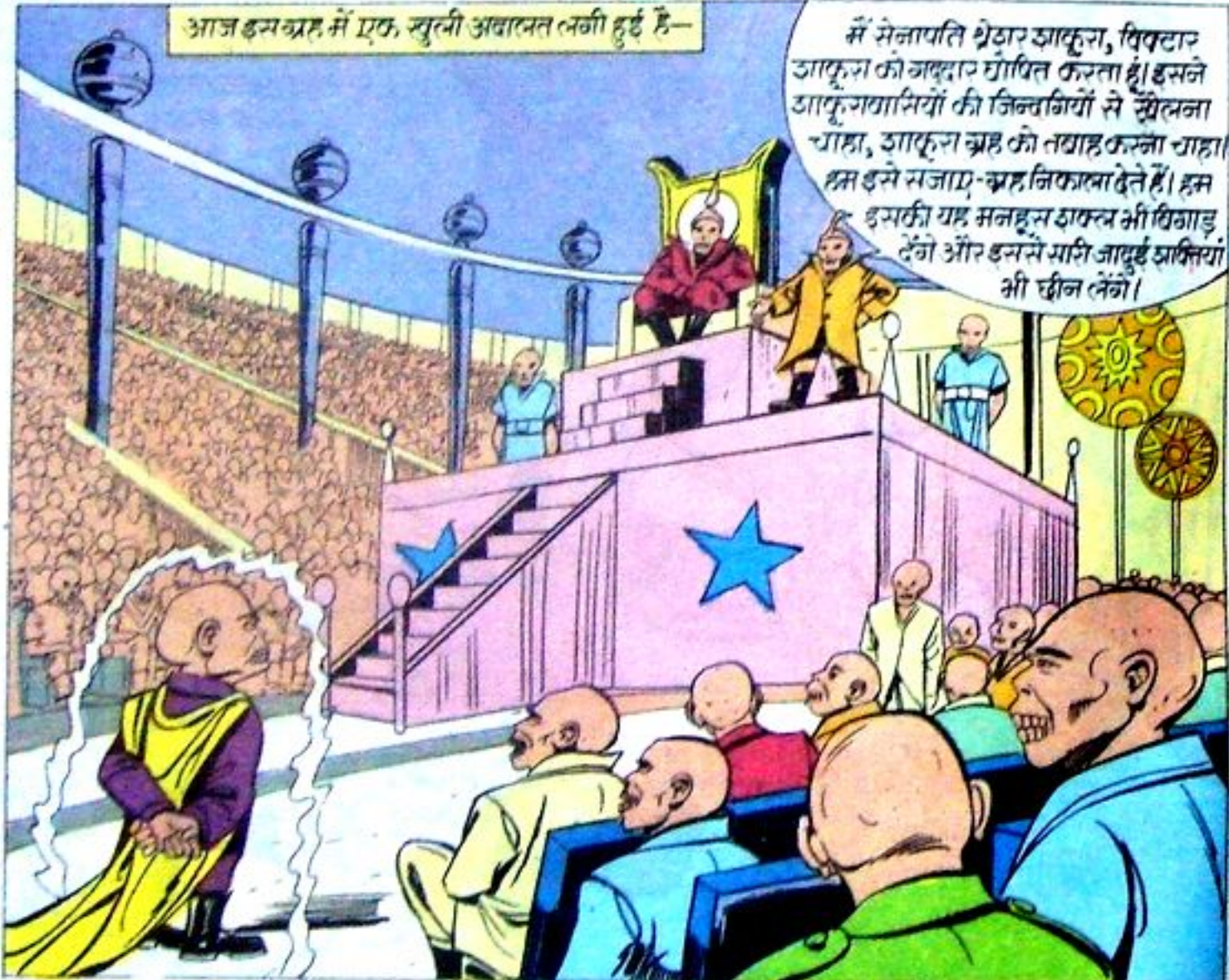
मैं सेनापति शेख़ार शाकूरा, विक्टार शाकूरा को गद्दार घोषित करता हूं। इसने शाकूरावासियों की जिन्दगियों से खेलना चाहा, शाकूरा ग्रह को तबाह करना चाहा। हम इसे सजाए-ग्रह निकाला देते हैं। हम इसकी यह मनहूस शक्ल भी बिगाड़ देंगे और इससे सारी जादुई शक्तियां भी छीन लेंगे।

तभी सेनापति ने हाथ सीधे किए, और—

किरणें कैद घेरा तोड़ती हुईं •••
•••विक्टार शाकूरा के मुंह से टकराईं।
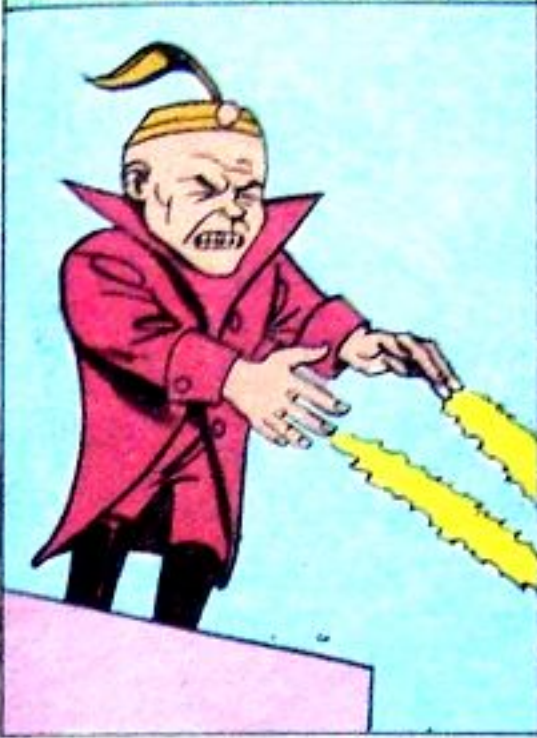
और आश्चर्य-विक्टार शाकूरा न केवल उस असहनीय पीड़ा को सह गया, बल्कि उस घेरे के टूटते ही वह अपने सुरक्षा कवच में आ गया। और •••

••• वहां उपस्थित सभी शाकूरा ग्रहवासियों को स्तब्ध छोड़ शाकूरा वहां से कूच कर गया—
शू SSSSSSSS

फिर वह हीरा शाकूरा को लिए शाकूरा ग्रह की आकाश गंगा को पीछे छोड़ अनन्त अंतरिक्ष में विलीन हो गया—
शूं SSSSSSSSSSS
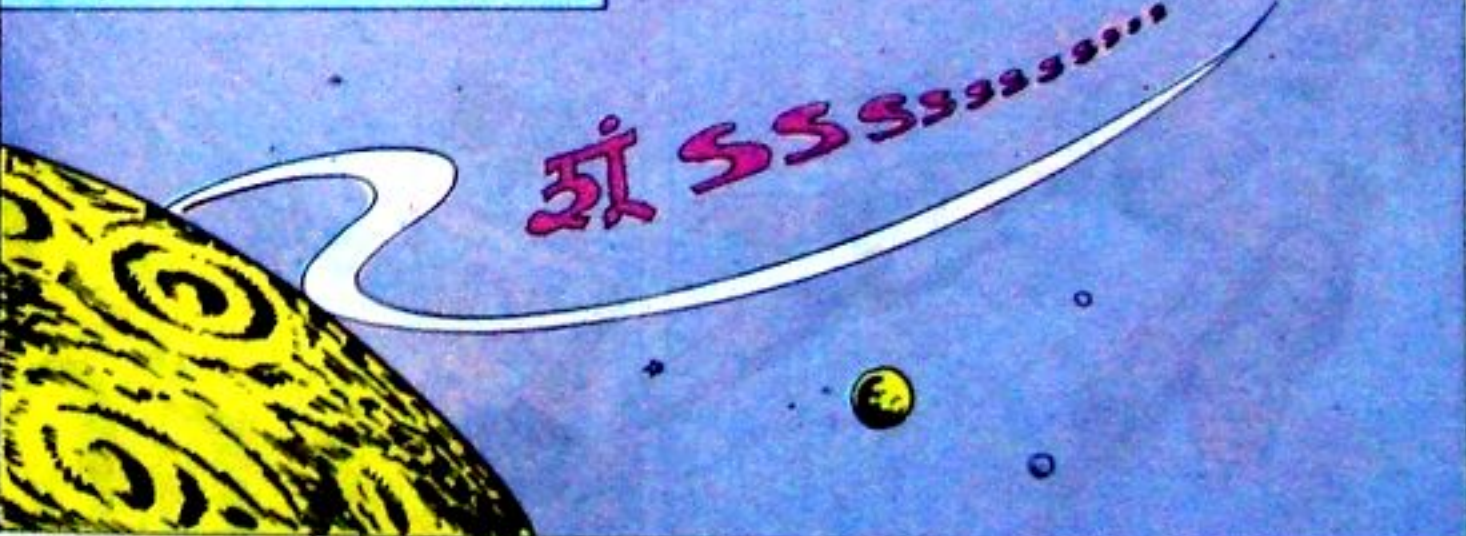
मेट्रोपोलिस। ओह, महाबली सुपरमैन यह आज किसके साथ आंख मिचौली खेल रहा है—

आज मैं तुम्हें छोड़ूंगा नहीं मिसाइलमैन!

उफ, यह किधर जा रहा है। यह तो वासिस्टर ब्रिज की तरफ जा रहा है। अगर...

...यह इसे भी उड़ाने का इरादा रखता है तो बहुत बुरा होना है। उफ!

और सुपरमैन के देखते-देखते ही मिसाइलमैन की मिसाइलोंने पुल को ध्वस्त कर दिया—

धड़ाम

धड़ाम

फिर सुपरमैन ने उसे और कोई मौका नहीं दिया—

बहुत तबाही कर ली तुमने शैतान! बस अब कुछ नहीं कर पाओगे!

आज! तुम मुझे रोक नहीं सकोगे सुपरमैन!

और सुपरमैन तेज गति से उड़ता हुआ उसे मेट्रोपोलिस से दूर ले आया—
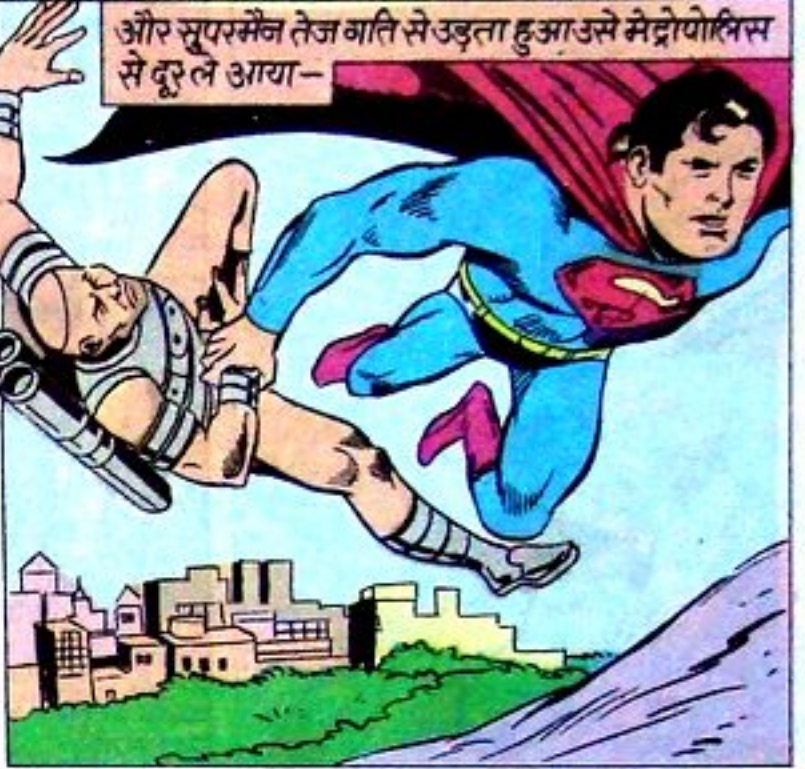
उफ़! यह तुम मुझे उस ज्वाला-मुखी की तरफ क्यों ले जा रहे हो, सुपरमैन!

तुम्हारी कब्र वहीं बनाने के लिए।
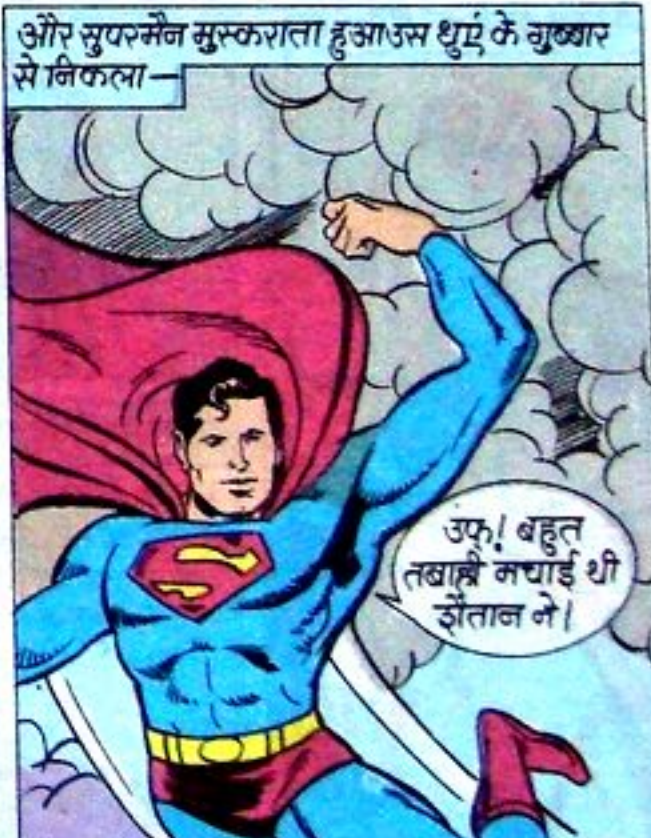
तभी—
झूस्स्स
और अब समय है अपने क्लार्क केंट के रूप में आने का। अरे, यह क्या ?...
जैसे बिजली सी चमकी हो, किन्तु सुपरमैन की सुपर दृष्टि ने इस हीरे को बखूबी देखा था।

हीरा तीव्र गति से जमीन में धंसता चला गया—
सुपरमैन भी हीरे के पीछे जमीन में रास्ता बनाता हुआ प्रविष्ट हो गया।

और शीघ्र ही वह हीरे को उठाए बाहर निकला—
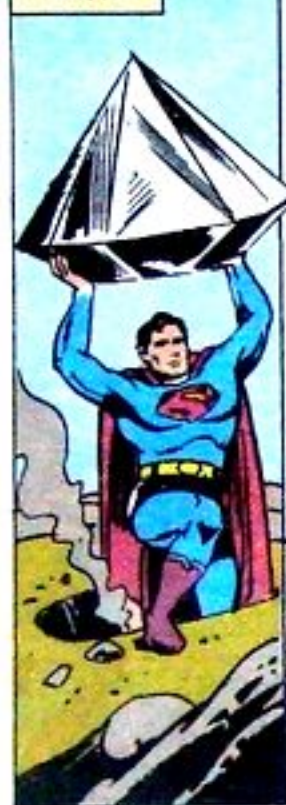
अपनी एक्स-रे दृष्टि से उसने हीरे में कैद इंसान को भी देख लिया—
अरे, इसमें तो कोई मानव कैद है।

फिर उसने अपनी पावरफुल दृष्टि से उसके टुकड़े कर दिए—
तड़ाक

और शाकूरा आजाद हो गया—
हैलो! मैं सुपरमैन।
शुक्रिया दोस्त! हा-हा-हा! मैं विक्टार शाकूरा! तुम मुझे केवल शाकूरा भी कह सकते हो।
फिर शाकूरा उसे अपने ग्रह शाकूरा से निकाले जाने की कहानी सुनाता चला गया।

सुपरमैन ने भी शाकूरा को पृथ्वी के बारे में बताया—
...यह है पृथ्वी का भूगोल और मैं असामाजिक तत्वों से पृथ्वीवासियों की रक्षा करता हूं।

और तब आया शाकूरा के दिमाग में एक शैतानी विचार —
तो यह है पृथ्वी का सबसे बलशाली मानव! अगर मैं इसको कब्जे में कर लूं तो पृथ्वी पर मेरा राज होगा।

अगले ही पल —
रुक जाओ सुपरमैन! अब तुम मेरे आधीन हो।

और सुपरमैन मुस्कराने लगा —
क्यों टिंगू मास्टर, क्या हुआ?
तुम्हें कैद करने के बाद मैं पृथ्वी पर राज करूंगा।

सुपरमैन ने पलटकर अपने लबादे को फटकारा —

लेकिन सुपरमैन ने उसे फूंक मार कर उड़ा दिया —

शाकूरा संभलकर कलाबाजियां खाता आया और तेजी से सुपरमैन से टकराया —

शाकूरा पलटा और उसने सुपरमैन पर अपने जादू का एक सशक्त वार किया —
आह!
मेरे जादू के आगे तुम्हारी कुछ न चलेगी सुपरमैन!

और फंस के रह गया सुपरमैन शाकूरा की जादुई कैद में —
उफ! यह क्या हो गया। मैं हिल भी नहीं पा रहा हूं।
हा हा हा अब पृथ्वी पर मेरी हुकूमत चलेगी।

किन्तु सुपरमैन की आवाज ने उसकी हंसी पर ब्रेक लगा दिया —
यह तुम्हारी भूल है शाकूरा! अभी पृथ्वी के और भी रक्षक मौजूद हैं।
हैं! कौन हैं वे?

बैटमैन, स्पाइडरमैन और नागराज।

गाथम शहर की वह रात्रि —
यह समय है ब्रूस वायने यानि बैटमैन की रात्रि गश्त का, और अब यह देखना है कि यह बैट सिग्नल किसलिए दिया गया?

बैटमैन उस समय आश्चर्यचकित रह गया, जब —

सुपरमैन, तुम यहां और इतने असहाय! यह किसने किया?

तभी —

मैंने और मेरा परिचय है जादूगर शाकूरा!

आह!

उड़ाक

शाकूरा ने पलटकर जादुई शक्ति का प्रहार किया —

उफ़! मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा!

पीटर पार्कर उर्फ स्पाइडरमैन - रेडियोधर्मी में एक परीक्षण के दौरान छात्र पीटर पार्कर को एक मकड़ी जो रेडियोधर्मी किरणों से नहा उठी थी, काट लेती है। विज्ञान के एक अनोखे चमत्कार के फलस्वरूप पीटर में उस मकड़ी की सारी शक्तियां और गुण आ जाते हैं और वास्तव में पीटर एक मानवीय मकड़ी बन जाता है —

मेरी मकड़-इंद्री कह रही है कहीं कुछ गड़बड़ जरूर है...
...जब यह खबर उड़ी कि एफिलटावर पर बम फिट है। मैं पीटर पार्कर के रूप में यहीं मौजूद था।

खबर सच्ची थी —
ओह, यह रहा बम! बहुत पावरफुल है। मुझे सावधानी से इसे उतारना होगा।

ऐसा भी हो सकता है कि इस पोल से अलग होते ही यह फट जाए या इसका टाइम कुछ ही सेकेण्ड्स में पूरा हो जाए।

खतरा टला —
किन्तु, इतना खतरा स्पाइडरमैन को तो लेना ही पड़ेगा। खैर, सही-सलामत उतर तो गया यह।

देश भारत - दिल्ली शहर के लालकिला मैदान में उस समय प्रसिद्ध जेमिनी सर्कस लगा हुआ था। नागराज विसर्पी के साथ जाने-माने कलाकारों की कलाबाजियों का आनन्द ले रहा था–

नागराज! मुझे भारत देश बहुत अच्छा लगा, पर यह पोशाक मुझे बहुत अजीब लग रही है।

जल्दी ही तुम्हें इसकी आदत पड़ जाएगी और अब तुम चुप-चाप यह सर्कस देखो।

और अगला खेल हाथियों का था—
आहा! मजा आ गया! क्या अजीबो-गरीब करतब दिखा रहे हैं ये जोकर!
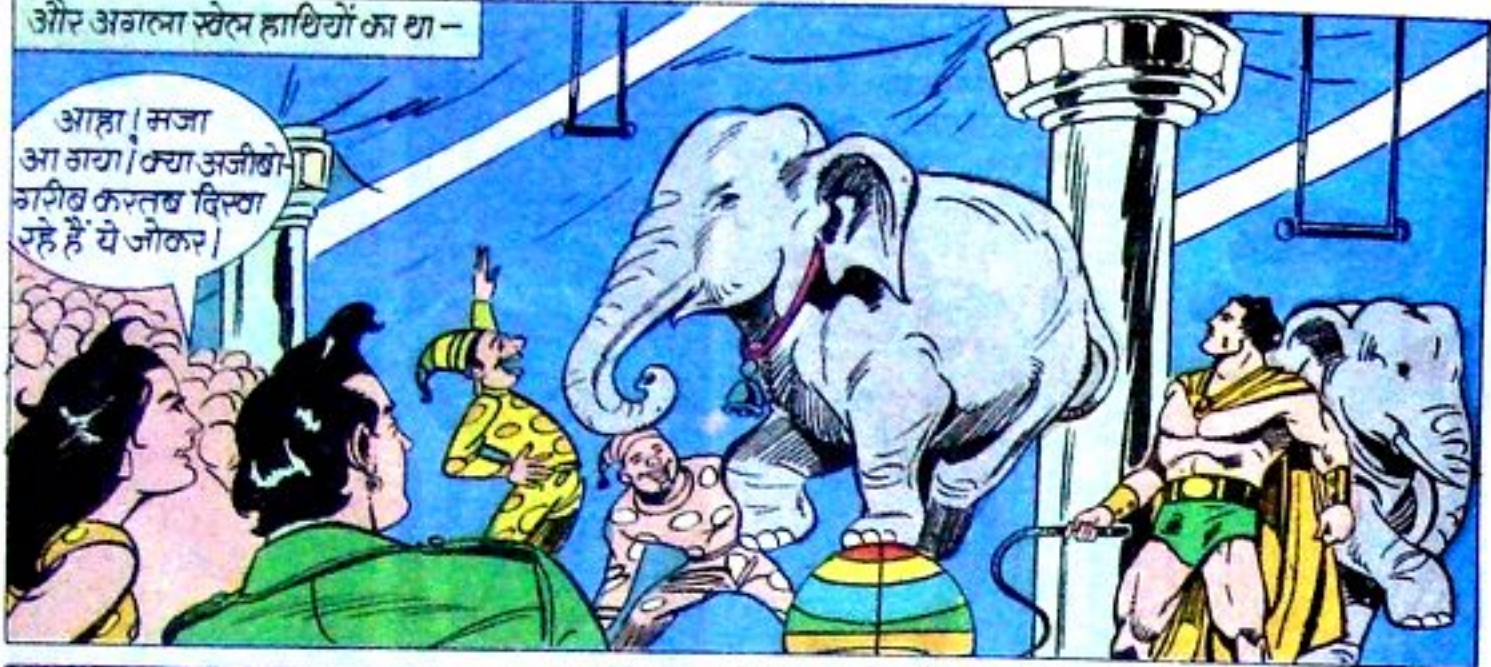
उसी क्षण पंडाल में एक तूफान ने प्रवेश किया—
चिंघाड़,
उफ़! यह क्या? यह कौन है? तूफान को कैसे खोल लाया यह! यह तो पागल हाथी है।
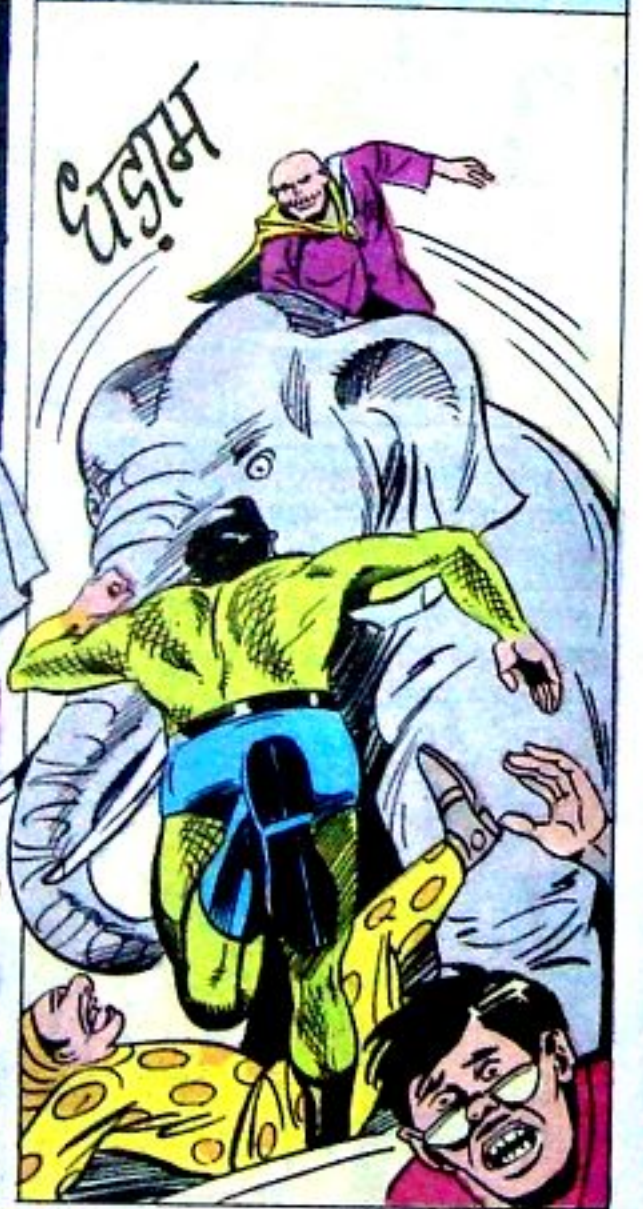
दर्शक उसे मनोरंजन ही समझ रहे थे—
हा हा हा
किन्तु—

नागराज ने खतरे को सूंघ लिया था—
धड़ाम

रिंग में मौजूद बाकी के हाथी भी बेकाबू होकर भीड़ पर चढ़ दौड़े—

चारों तरफ तबाही मच गई—
बचाओ ऽऽ
बचाओ ऽऽ
मां ऽऽ

पलभर में त्राहि-त्राहि मच गई—
नहीं ईईई ऽऽ
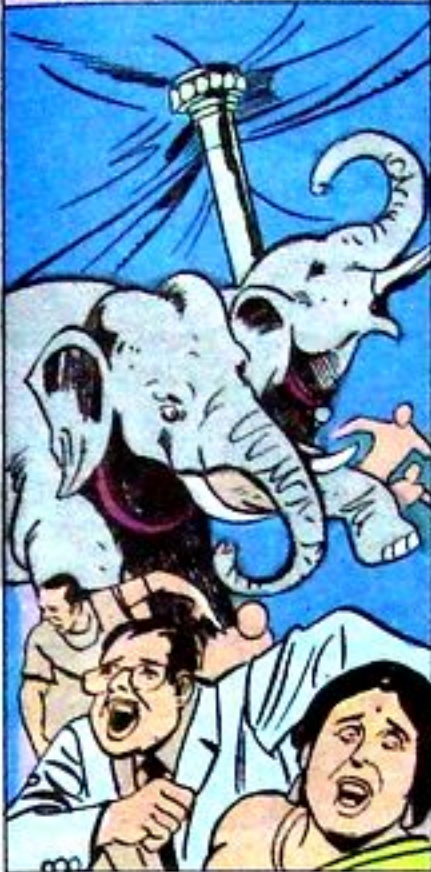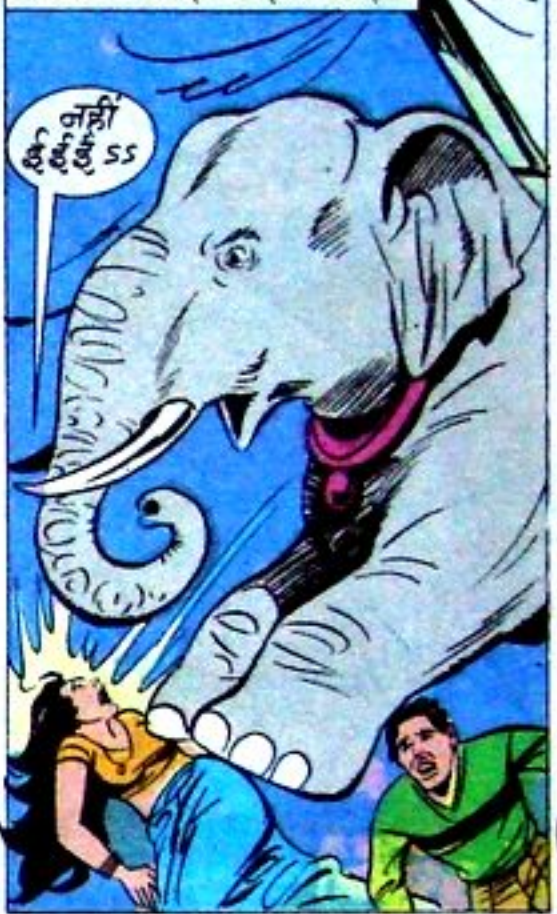
नागराज ने वहीं पड़ी सलाखें उठा लीं और उनसे हाथियों पर वार किया—
रुक जाओ दुष्टो! क्यों निर्दोषों की हत्या कर रहे हो।

बला की फुर्ती दिखाई नागराज ने—

रिंग मास्टर लोऊ अलबानो भी पीछे नहीं था। उसने रस्सी के फंदे से हाथियों को बेबस कर दिया—
मैं उसे जिन्दा नहीं छोड़ूंगा जिसने मेरी बरसों की मेहनत पर पानी फेरा है।
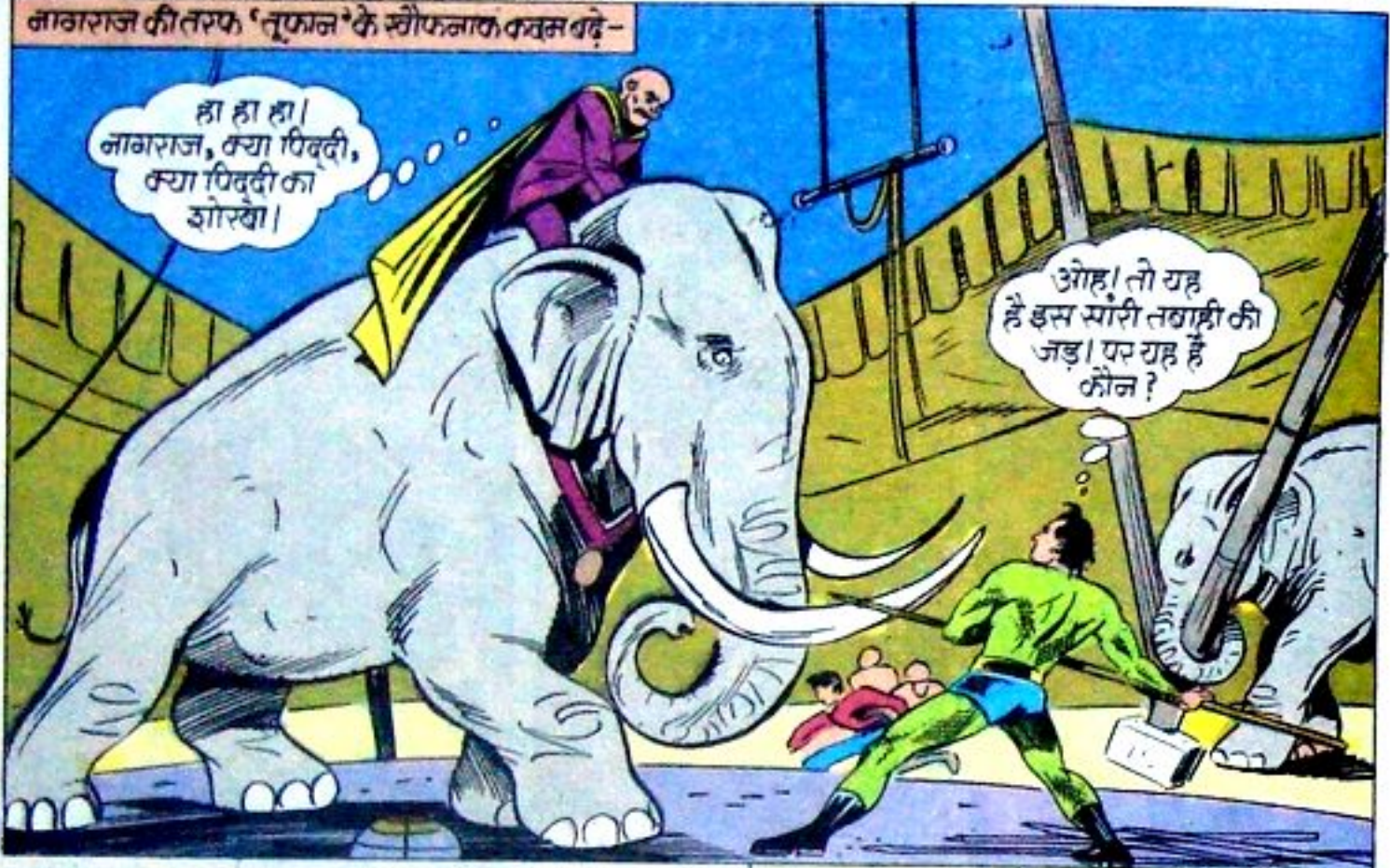
नागराज की तरफ 'तूफान' के खौफनाक कदम बढ़े-

हा हा हा! नागराज, क्या पिद्दी, क्या पिद्दी का शोरबा!

ओह! तो यह है इस सारी तबाही की जड़! पर यह है कौन?

नागराज ने हाथ में पकड़ी सलाख...

...उछाल फेंकी, किन्तु...

छक

...शाकूरा 'तूफान' की तरफ बढ़ते हर हथियार को काट देता था-

किन्तु आश्चर्य-महा बलशाली अश्वत्थामा ने अपने शक्तिशाली कन्धों की टक्कर से 'तूफान' को पीछे धकेल दिया —
धन्यवाद दोस्त! यदि कोई आम हाथी होता तो मैं ही संभाल लेता!
यह मेरा कर्तव्य था दोस्त!
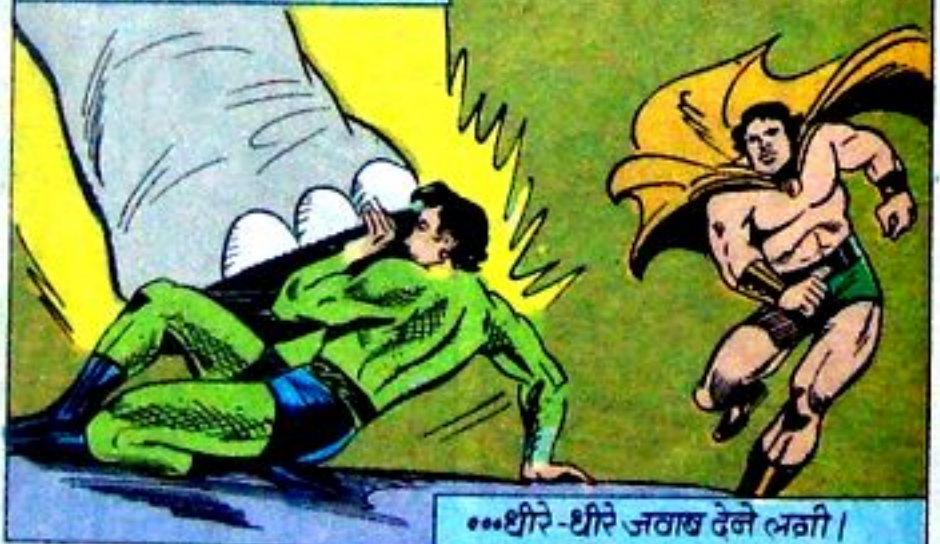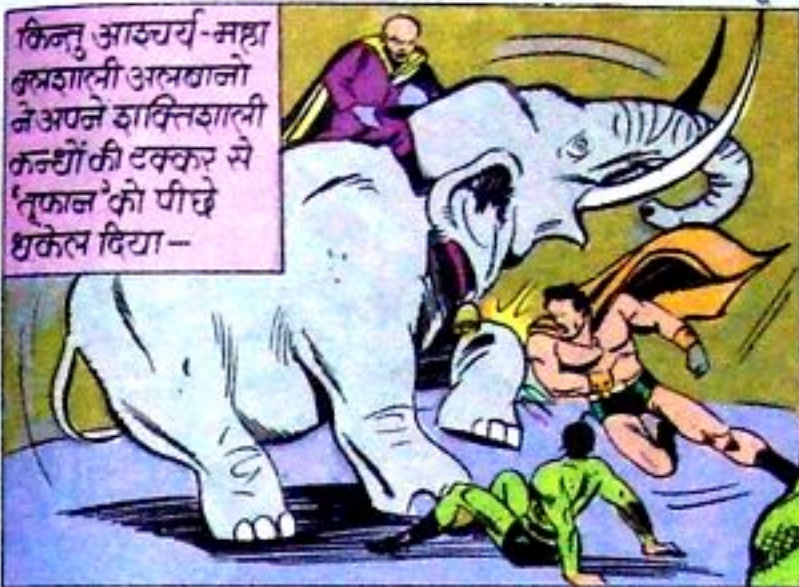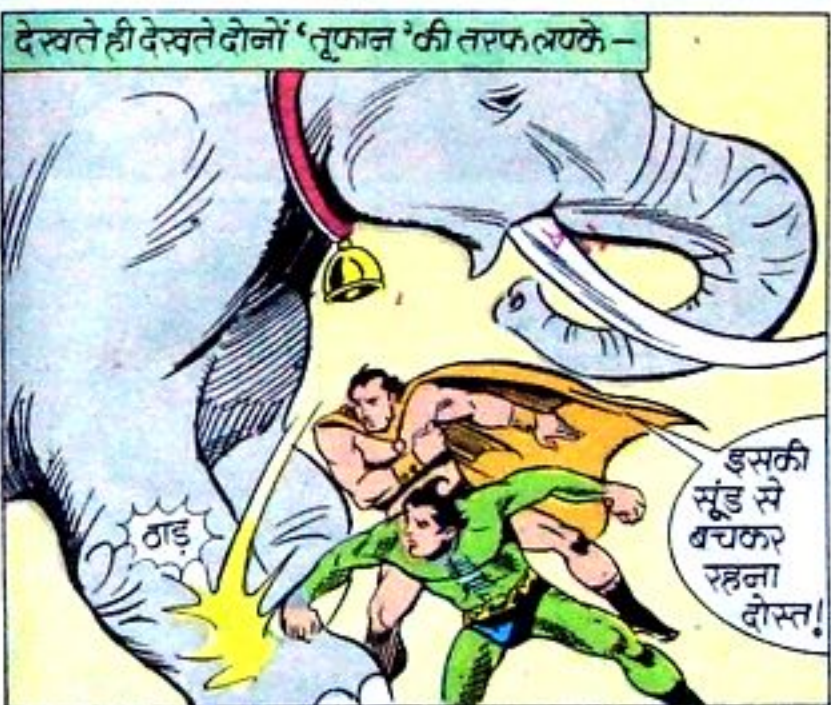
देखते ही देखते दोनों 'तूफान' की तरफ लपके —
इसकी सूंड से बचकर रहना दोस्त!
धाड़

दो दिग्गजों के शक्तिशाली प्रहारों ने •••

••• तूफान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और —
तड़ाक

फिर 'तूफान' को बेहोश होते देर नहीं लगी —
चीईं ऽऽऽ

तभी—
सूरमाओं के खेल में चींटियों का क्या काम!

आह आऽऽ आहऽऽऽ

अलबानो के घायल होते ही नागराज ने शाकूरा पर छलांग लगा दी—

मैं तुझे जिन्दा नहीं छोड़ूंगा हैवान!

नागराज के बलिष्ठ मुक्कों से एक बार तो शाकूरा बेदम हो गया—
बोल! कौन है तू शैतान बौने?
शाकूरा! जादूगर शाकूरा।

किन्तु तभी—
घड़ घड़ घड़
मौत का कुआं नाम का वह विशाल गोला तेजी से रिंग की तरफ बढ़ा।

नागराज ने शाकुरा को छोड़ा और —
ओह! मुझे अलबानो को बचाना होगा!

वह गोले और अलबानो के बीच में आ खड़ा हुआ —
धड़

धड़ाक

नागराज के शक्तिशाली प्रहार से गोला चूर-चूर हो गया। किन्तु एक शक्तिशाली प्रहार नागराज को भी लगा आश्चर्य रूपी—
हांय! सुपरमैन, बैटमैन, स्पाइडरमैन यह सब क्या गोरखधंधा है?

विसर्पी के पांव चिंगारी से बुरी तरह जल गये थे।
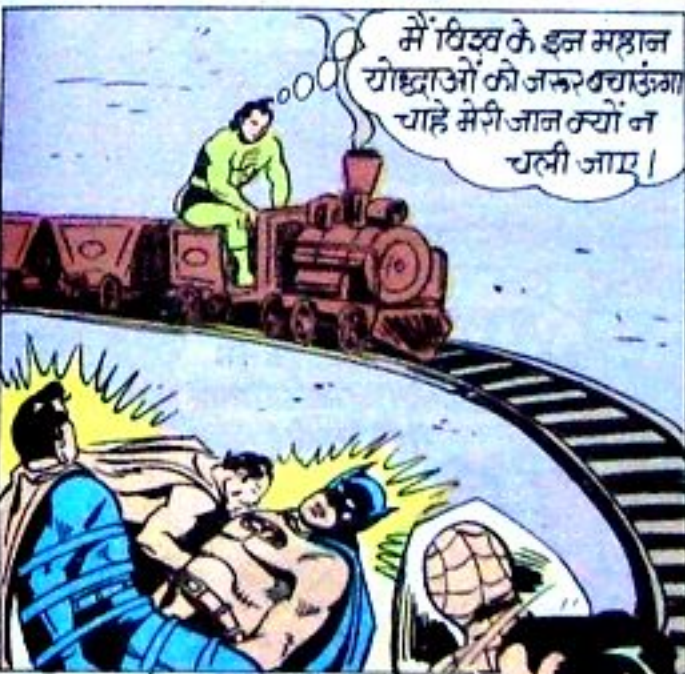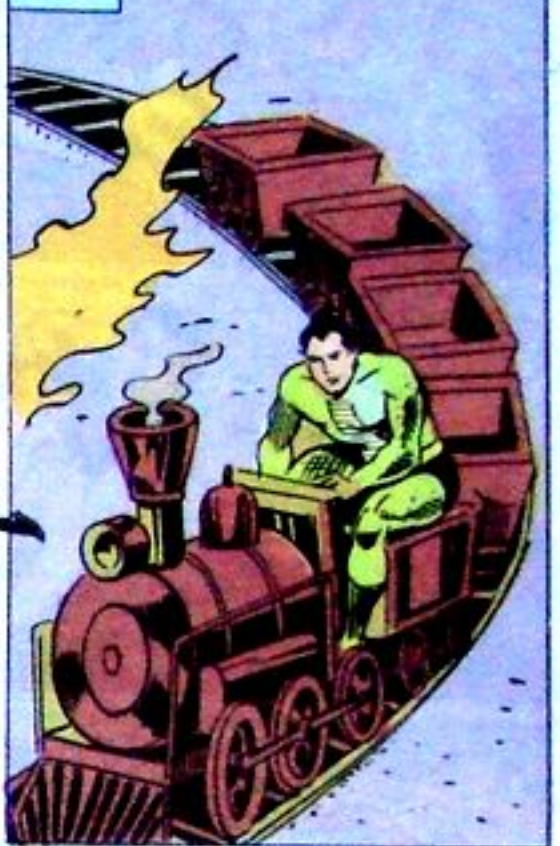
फिर बैटमैन—

समय बहुत कम है!

स्पाइडर मैन —
आग तेज होती जा रही है।

लोक अलवानो —
पंडारन कभी भी गिर सकता है।

और विसर्पी —

लेकिन —
आह!

और —
ओह!
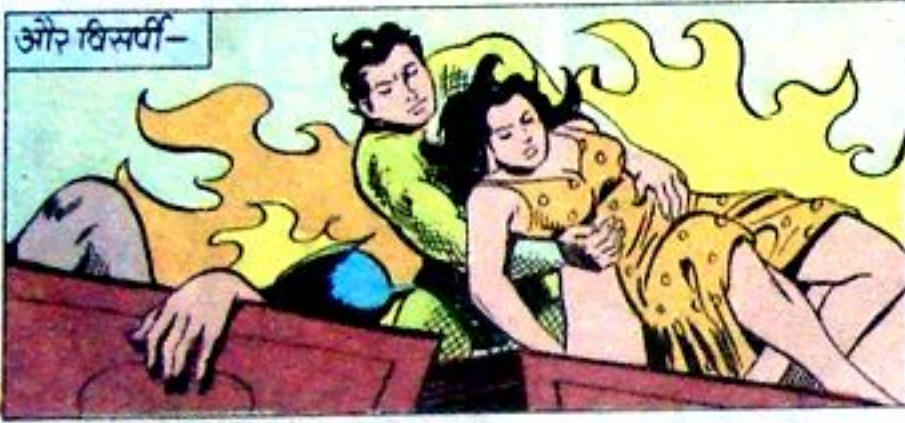
कुछ ही पलों में शैतान शाकूरा ने बाहर निकलने के सभी रास्ते रोक दिए थे —
उफ़! गर्मी बढ़ती जा रही है।
हा हा हा नागराज! मैंने तुमसे कहा था ना कि तुम नहीं बच सकते। तुम्हारी चिताएं यहीं बनेंगी।

लगता है नागराज ने हार मान ली –
हे गुरु गोरखनाथ! हमें इस चक्रव्यूह से निकालो।
लगता है आज नहीं बच पाएंगे।
और तभी पंडाल एक दिव्य प्रकाश से चकाचौंध हो गया –
वत्स नागराज। उठो, मैं आ गया हूं।
और फिर देखते ही देखते –
अब सब ठीक हो जाएगा।
सर्कस की आग काबू में आ गई–
गुरुजी! धन्यवाद, आज शायद मानवता का अन्तिम दिन होता।
ऐसा कभी नहीं हो सकता नागराज, जब तक तुम लोगों के रूप में सच्चाई जिंदा है तब तक।
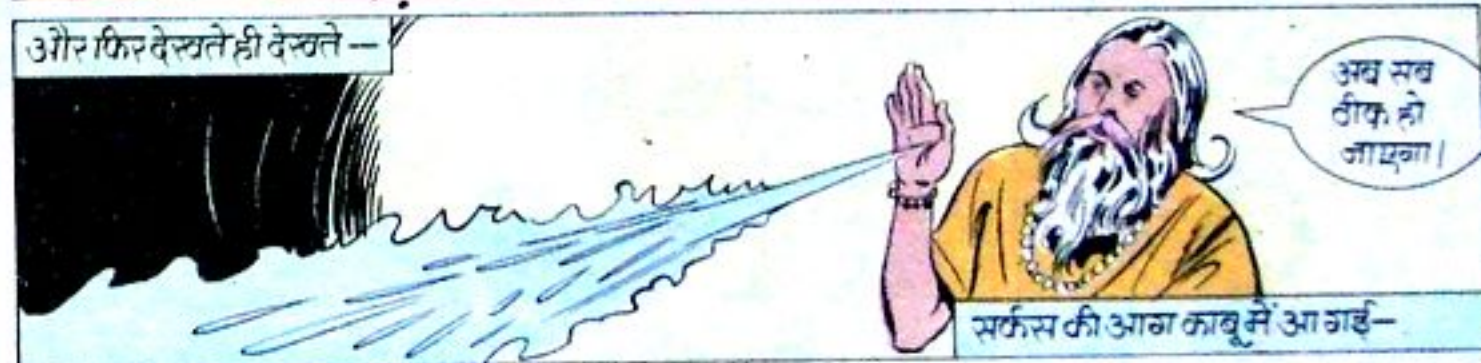
मैं तुम्हारे दोस्तों को भी स्वतंत्र कर देता हूं।
झिप

गुरु गोरखनाथ की शक्ति सुपरमैन से टकराई–

बैटमैन भी स्वतंत्र हो गया–

अब बारी थी स्पाइडरमैन की–

स्वतंत्र होते ही स्पाइडरमैन ने अपने हाथ में थमे बम को डिफ्यूज किया–
उफ! यह बम किसी भी समय फट सकता था।
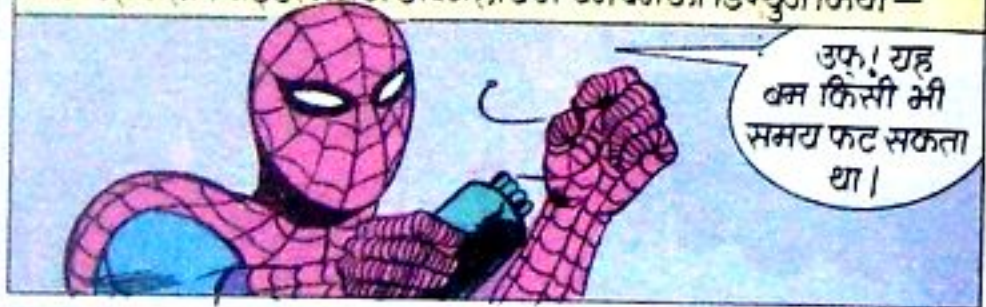
तब तक लोऊ अलबानो भी गुरु गोरखनाथ की कृपा से होश में आ गया था व विसर्पी के पांव भी ठीक हो गये थे–
धन्यवाद गुरुजी!

पर शाकूरा जाते-जाते भी अपनी शैतानी से बाज नहीं आया—

देखते ही देखते अलबानो का शरीर बढ़ने लगा—

आश्चर्य!

और साथ ही उसके विचार भी बदलने लगे –
हा हा हा
तबाही मचा दूंगा विश्व में।शाकुरा जिन्दाबाद।
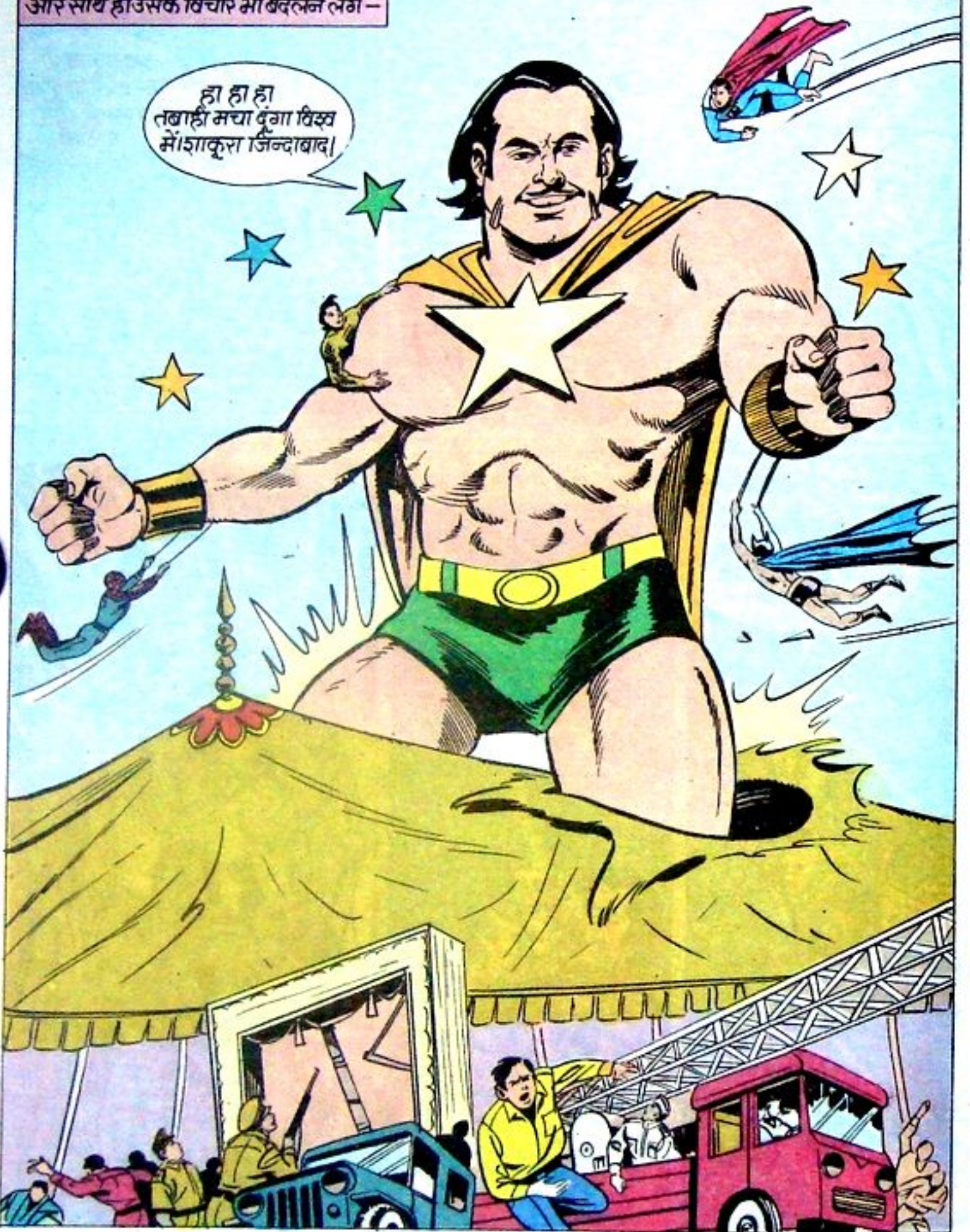
फिर वह वहां खड़ी निर्दोष लोगों की भीड़ को कुचलने लगा—
गोलियों का कोई असर नहीं हो रहा इस दैत्य पर।

सुपरमैन ने उसकी कनपटी पर एक जबरदस्त प्रहार किया—
मेरे इस वार से इसे बेहोश हो जाना चाहिए!
धम्म

लेकिन अलबानो पर उस प्रचण्ड प्रहार का कुछ असर न हुआ—
उफ़! लगता है शाकूरा ने इसे मेरी शक्ति का 'तोड़' दिया है।

अलबानो ने सुपरमैन को इसका पूरा मजा चखाया—
उफ़! इसने तो मुझे मच्छर की तरह उड़ा दिया।

बैटमैन और स्पाईडरमैन ने अलबानो के चारों तरफ रस्सी और मकड़ जाल का जाल बुनना शुरू किया—
उन्हें आशा थी कि वे अलबानो को इस तरह बेबस कर देंगे—
उधर सुपरमैन फिर पलटा—
इसके चेहरे पर लगे कुंडे खींच लूं। इसे जरूर दर्द होगा।
दर्द से चिल्ला पड़ा अलबानो—
आह!
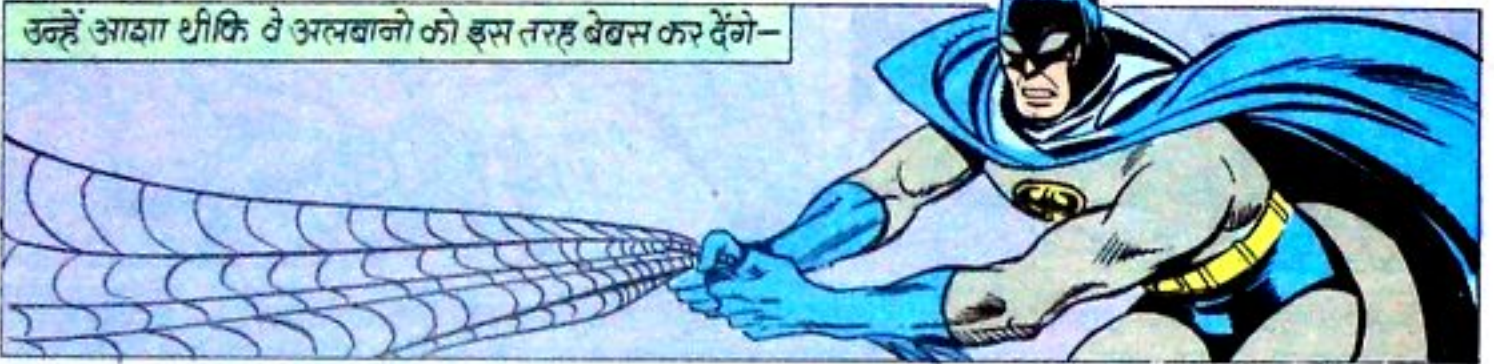
इस वक्त नागराज क्या कर रहा है ?
उफ! कुछ देर पहले तुमने मेरी जान बचाई थी दोस्त! लेकिन अब मानवता की खातिर मुझे अहसान-फरामोशी करनी पड़ेगी।

उफ! मेरे जहरीले दांत इसकी त्वचा को नहीं काट पा रहे।
इस तरह दसियों हाथियों को मौत की नींद सुला सकने वाला नागराज का यह जहरीला वार भी निष्काम रहा —

बस अब एक ही तरीका है इससे निबटने का।

नागानंद! नागनाथ!
नागराज की कलाइयों से दोनों सेनानायक निकल चले अपनी सेना के साथ।
और अलखाजो के खुले मुंह में प्रवेश कर गये हजारों नाग —

तभी —
इससे दूर हट जाओ नागराज और बैटमैन! इसके शरीर से बम बांध दिया है मैंने। वह बस फटने ही वाला है।

नागराज और बैटमैन ने स्पाइडरमैन का अनुसरण किया —
यह बम अगर चल जाता तो पूरे एफिल टावर को गिरा देता।

और अगले ही क्षण बम फट गया —
धड़ाक

लेकिन आश्चर्य अलबानो टस से मस ना हुआ। वह वहीं खड़ा तबाही मचाता रहा —

लेकिन अब ज्यादा देर नहीं —
पूरी शक्ति लगा दी है मैंने अपने इस वार में।
खड़ाक

अलबानो दूर जा गिरा —
मुझे आश्चर्य है, यह मेरे वार से तो नहीं हुआ होगा, जरूर कुछ और बात है।

चारों ने उसे घेर लिया। हैरान थे सुपरमैन, बैटमैन और स्पाइडरमैन –
यह तो उठ भी नहीं पा रहा अब।
इसका शरीर भी नीला पड़ रहा है।
लेकिन नागराज मुस्करा रहा था।

तभी –
अरे! इसके मुंह से तो सांप निकल रहे हैं...

...और नागराज के हाथों में गायब हो रहे हैं।
तब नागराज ने बताया –
हां दोस्तो! यह इन नागों का ही कारनामा है। जब मैंने देखा की इसकी बाहरी त्वचा अभेद हो गई है...

...तो मैंने नागानंद और नागानाथ को इसके मुंह के रास्ते इसके शरीर में भेजने का फैसला किया। इन्होंने शरीर के अन्दर जाकर इसे मार दिया।

प्रेस रिपोर्टर्स ने चारों के एक साथ फोटो खींचे –
और मैं समझ रहा था कि इसे मैंने मारा है।
हा हा हा
हा हा हा

फिर एक शानदार रात्रि भोज होटल मेरिडियन में –
नागराज! जादूगर शाकूरा का क्या हुआ होगा?
दोस्त! उसकी फिक्र तुम मत करो। मुझे गुरुजी पर पूरा भरोसा है।

अच्छा दोस्तो! विदा, किन्हीं अच्छे क्षणों में फिर मिलेंगे।
समाप्त